REPORT ON CELEBRATION OF INTERNATIONAL DAY OF FORESTS AT HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA

Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla, Himachal Pradesh in partnership with World Wide Fund for Nature (WWF), Shimla Unit, Himachal Pradesh celebrated **International Day of Forests** with students of local Government Degree College, Sanjauli, Shimla on **21st March 2017** in the Conference Hall of HFRI, Shimla. About 60 students of Science stream and two faculty menmbers of Centre of Excellence, Government Degree College, Sanjauli, Shimla, Himachal Pradesh participated in this programme. Mrs. Aarti Gupta, Coordinator, World Wide Fund for Nature (WWF), Shimla Unit and her team also participated in the programme. All the Scientists, Officers and research support staff of HFRI, Shimla participated in the celebration.

At the outset, **Dr. Vaneet Jishtu**, Scientist, HFRI, Shimla welcomed all the participants in the programme and highlighted the importance of the celebration of the International Day of Forests. He gave a brief overview the schedule of the day's programme. Mr. Jishtu emphasized about the multifunctional role of forests that fulfills various requirements in our day to day life.

While inaugurating the International Day of Forests, **Dr. K.S. Kapoor,** Director, HFRI, Shimla said that United Nations General Assembly adopted the resolution in December 2012 to observe International Day of Forests on 21st day of March every year. Since then, this day is celebrated every year to spread awareness about the importance of forests. He also reiterated the significance of forests in our life and urged the participating students to make all effort to conserve the rich natural resources of the nation so that forests continue to benefit mankind for generations to come. Dr. Kapoor talked about the theme of this year's International Day of Forests i.e. 'Forests and Energy', and informed that the large number of populations in developing countries still depend on wood obtained from forests for their energy requirements. He concluded his address with the remarks that whenever we traverse through forests one always experiences a continuous positive flow of energy, which is important spirituality too.

Mrs. Aarti Gupta, Coordinator, WWF, Shimla Unit, launched a programme for its volunteers on this occasion. Speaking on the occasion, Mrs. Aarti gave a brief overview of the newly launched WWF's programme for volunteers. She informed that the mission of the WWF is to stop the degradation of the planet's natural environment and to build a future in which humans live in harmony with nature, by conserving the world's biological diversity, ensuring that the use of renewable natural resources is sustainable and promoting the reduction of pollution and wasteful consumption.

Shri S.P. Negi, IFS, Conservator of Forests, HFRI, Shimla through his power point presentation highlighted the background behind the celebration of International Day of Forests and importance of the day. He reiterated the significance of the forest and informed that forests cover about 31% of global land area and around 1.6 billion people, including 2,000 indigenous cultures depend on forests for their livelihoods, medicine, fuel and food etc. He further said that despite the priceless ecological, economic, social and health benefits, global

deforestation continues at an alarming rate - 13 million hectares of forest are destroyed annually. Mr. Negi said that celebration of International Day of Forests provides a platform to communicate the vital role forests & trees play in poverty eradication, environmental sustainability and food security. Mr. Negi spoke about the 'Forests-Energy' Connections and said that more than two billion people depend on wood energy for cooking and/or heating, particularly in households in developing countries. Mr. Negi gave a brief overview of the forest resources at the global and national level in general and Himachal Pradesh in particular. He talked about the challenges plaguing the forestry today and way forward so that forests continue to benefit mankind in perpetuity. He hoped that the young students will spread the message of forest conservation for the benefit of mankind.

A quiz competition was based on the questions of forestry and wildlife was also organized on the day. Prizes were distributed to the winners of the quiz competition.

The programme ended with vote of thanks by Dr. Vaneet Jishtu, Scientist, HFRI, Shimla to Director, HFRI, Shimla and all the participating with hope that the celebration of the event will have deep impact on our life so that we always strive to conserve our forests.

..*.*.*.*.*.*

Glimpses of the Programme

Prize Distribution

Media Coverage

दैनिक भास्कर
सिटी डायरी

विश्व वन दिवस | संजौली कालेज के 60 छात्रों ने लिया भाग, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई, एचएफआरआई ने किया आयोजन

छात्रों को बताया वन संपदा का महत्व

सिटी रिपोर्टर | शिमला

एचएफआरआई शिमला ने वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर शिमला इकाई की साझेदारी से विश्व वन दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में संस्थान के वैज्ञानिकों तथा वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर शिमला इकाई के सदस्यों के साथ-साथ संजौली कॉलेज के विज्ञान संकाय के लगभग 60 विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. कुलराज सिंह कपूर ने कहा कि विश्व वन दिवस प्रतिवर्ष 21 मार्च को मनाया जाता है। विश्व वानिकी दिवस पहली बार वर्ष 2013 को इस उद्देश्य से मनाया गया था कि दुनिया के सभी देश अपनी मातृभूमि की मिट्टी और वन संपदा का महत्व समझे तथा अपने-अपने देश के वनों और जंगलों का संरक्षण करें।

इस अवसर पर वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर शिमला इकाई की आरती गुप्ता ने स्वयं सेवकों के लिए कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। उपरोक्त आयोजन के दौरान विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। विद्यार्थियों तथा शिक्षकों में वानिकी गतिविधियों में रूचि बढ़ाने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा प्रयोगशालाओं तथा इंटरप्रेटेशन सेंटर का दौरा भी करवाया गया तथा विद्यार्थियों को संस्थान द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

पावर प्वाइंट से दी प्रस्तुति

अरण्यपाल सत्य प्रकाश नेगी ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को विश्व वन दिवस के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया की विश्व वन दिवस का इस वर्ष का थीम, वन एवं ऊर्जा, तय किया गया है। इस थीम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वनों तथा इस पर आधारित ऊर्जा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि लकड़ी ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है, लकड़ी से प्राप्त ऊर्जा से आर्थिक विकास में सहायता मिलती है, जंगलों से प्राप्त लकड़ी से ऊर्जा के बिल कम होते है तथा जिससे हमारे जीवन स्तर में सुधार होता है तथा लकड़ी से प्राप्त ऊर्जा जलवायु परिवर्तन को कम करने और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने में सहयोगी होती है।

वनों का संरक्षण चुनौती:जिष्टु

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. वनीत जिष्टु ने कहा कि वनों से हमे अनेक बहुमूल्य वस्तुएं प्राप्त होती हैं। जिनमें स्वच्छ जल, वन्य प्राणियों के रहने के लिए वास-स्थान, लकड़ी, भोजन, फर्नीचर, कागज, सुंदर परिदृश्य सहित अनेक पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्थल शामिल हैं। जंगल हमारे जीवन की बुनियाद हैं जो हमारे पर्यावरण के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक स्थिति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए वर्तमान समय में वनों का संरक्षण करना हम सभी नागरिकों के लिए एक चुनौती है। उन्होंने वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर शिमला इकाई की आरती गुप्ता, संजौली कालेज की प्रधानाचार्य डॉ. दीक्षा मल्होत्रा का सहयोग के लिए आभार जताया।

एचएफआरआई में विश्व वन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी।

प्रश्नोतरी प्रतियोगिता की विजेता छात्रा का सम्मानित करते अधिकारी।

शिमला में मनाया विश्व वन दिवस

शिमला, 21 (ब्यूरो) : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ.आर.आई.) में विश्व वन दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। संस्थान में वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर के सहयोग से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें वैज्ञानिकों के अलावा संजौली कालेज के विज्ञान संकाय के करीब 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान एच.एफ.आर.आई. के निदेशक डा .कुलराज सिंह कपूर ने कहा कि भारत में 24 प्रतिशत भूमि पर ही वनों का अस्तित्व रह गया है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 22 March 2017
epaper.punjabkesari.in//c/1771

विश्व वन दिवस पर वनों को बचाने का लिया संकल्प

शिमला। विश्व वन दिवस के अवसर पर प्रदेश के जंगलों को बचाने का संकल्प लिया गया। मंगलवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर शिमला इकाई की सांझेदारी विश्व वन दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. कुलराज सिंह कपूर ने कहा कि अपनी मातृभूमि की मिट्टी और वन सम्पदा का महत्व समझे तथा अपने-अपने क्षेत्रों के वनों और जंगलों का संरक्षण करें। उन्होंने संजौली महाविद्यालय के छात्रों को विश्व वन दिवस के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। डा. कपूर ने कहा कि प्रदेश के जंगलों को बचाने के लिए हम सबका दायित्व है।